विषयानुक्रमणिका ।

१.	नमस्कार सूत्र ।	१
२.	पंचिंदिय सूत्र ।	२
	[ब्रह्मचर्य की नौ गुप्तियाँ ।]	३
३.	खमासमण सूत्र ।	४
४.	सुगुरु को सुख-शान्ति-पृच्छा ।	५
५.	इरियावहियं सूत्र ।	,,
६.	तस्स उत्तरी सूत्र ।	८
	[तीन शल्यों के नाम ।]	९
७.	अन्नत्थ ऊससिएणं सूत्र ।	१०
	['आदि'-शब्द से ग्रहण किये गये चार आगार ।]	११
८.	लोगस्स सूत्र ।	१२
	[तीर्थंकरों के माता-पिता आदि के नाम ।]	
९.	सामायिक सूत्र ।	१८
१०.	सामायिक पारने का सूत्र (सामाइयवयजुत्तो)	१९
	[मन, वचन और काय के बत्तीस दोष ।] ...	२०
११.	जगचिंतामणि सूत्र ।	२१
	[एक-सौ सत्तर विहरमाण जिनों की संख्या ।]	२३
	[बीस विहरमाण जिनों की संख्या ।] ...	२५
१२.	जं किंचि सूत्र ।	२८
१३.	नमुत्थुणं सूत्र ।	,,
१४.	जावंति चेइआइं सूत्र ।	३३
१५.	जावंत केवि साहू ।	३४

१६. परमेष्ठि-नमस्कार । २५
१७. उवसग्गहरं स्तोत्र । .... ,,
[उवसग्गहरं स्तोत्र के बनाने का निमित्त ।] ... ,,
१८. जय वीयराय सूत्र । ३९
[संक्षिप्त और विस्तृत प्रार्थनाओं की मर्यादा ।] ,,
१९. अरिहंत चेइयाणं सूत्र । ४२
२०. कल्लाणकंदं स्तुति । ४३
२१. संसारदावानल स्तुति । ४७
[चूलिका की परिभाषा ।] ५०
[गंम के तीन अर्थ ।] ... ... ,,
२२. पुक्खर-वर-दीवड्ढे सूत्र । ... ५२
[बारह अङ्गों के नाम ।] ... ... ,,
२३. सिद्धाणं बुद्धाणं सूत्र । ५६
२४. वेयावच्चगराणं सूत्र । ६०
२५. भगवान् आदि को वन्दन । ... ६१
२६. देवसिय पडिक्कमणे ठाउं । ... ,,
२७. इच्छामि ठाइउं सूत्र । ६२
२८. आचार की गाथाएँ । ६४
[कालिक और उत्कालिक के पढ़ने का समय ।] ६६
२९. सुगुरु-वन्दन सूत्र । ७३
[पाँच प्रकार के सुगुरु ।] ... ... ,,
[तीन प्रकार के वन्दनों का लक्षण ।] ... ,,
[सुगुरु-वन्दन के पच्चीस आवश्यक ।] ... ७४

३०. देवसिअं आलोउं सूत्र । ७९
३१. सात लाख । ८०
३२. अठारह पापस्थान । .... ,,
['योनि-' शब्द का अर्थ ।] ... ,,
३३. सव्वस्सवि । ८१
३४. वंदित्तु सूत्र । .... ,,
[अतिचार और भङ्ग का अन्तर ।] ... ,,
[अणुव्रतादि व्रतों के विभागान्तर ।] ... ८८
[चतुर्थ-अणुव्रती के भेद और उन के अतिचार-विषयक मत-मतान्तर ।] ९५
['परिमाण-अतिक्रमण-' नामक अतिचार का खुलासा ।] ९८
[ऋद्धि गौरव का स्वरूप ।] ११६
[ग्रहण शिक्षा का स्वरूप ।] ... ... ,,
[आसेवन शिक्षा का स्वरूप ।] ... ,,
[समिति का स्वरूप और उस के भेद ।] ... ,,
[गुप्ति और समिति का अन्तर ।] ... ,,
[गुप्ति का स्वरूप और उस के भेद ।] ... ११७
[गौरव और उस के भेदों का स्वरूप ।] ... ,,
[संज्ञा का अर्थ और उस के भेद ।] ... ,,
[कषाय का अर्थ और उस के भेद ।] ... ,,
[दण्ड का अर्थ और उस के भेद ।] ... ११८
३५. अब्भुट्ठियो सूत्र । १२६
३६. आयरिअउवज्झाए सूत्र । १२८
[गच्छ, कुल और गण का अर्थ ।] ... १२९
३७. नमोऽस्तु वर्धमानाय । १३०

३८. विशाललोचन । १३२
३९. श्रुतदेवता की स्तुति । १३४
४०. क्षेत्रदेवता की स्तुति । १३५
४१. कमलदल स्तुति । १३६
४२. अड्ढाइज्जेसु सूत्र । १३७
[शीलाङ्ग के अठारह हज़ार भेदों का क्रम ।] ,,
४३. वरकनक सूत्र । १३८
४४. लघुशान्ति-स्तव । १३९
[लघुशान्ति-स्तव के रचने का और उस के प्रतिक्रमण में शरीक होने का सबब ।] ... ,,
४५. चउक्कसाय सूत्र । १४९
४६. भरहेसर की सज्झाय । १५१
उक्त भरतादि का संक्षिप्त परिचय । १५५
४७. मन्नह जिणाणं सज्झाय । १६६
४८. तीर्थ-वन्दन । १६९
४९. पोसह पच्चक्खाण सूत्र १७२
[पौषध व्रत का स्वरूप और उस के भेदोपभेद ।] ,,
५०. पोसह पारने का सूत्र । १७४
५१. पच्चक्खाण सूत्र । १७५
दिन के पच्चक्खाण ।
[पच्चक्खाण के भेदोपभेद और उन का स्वरूप ।] ,,
१-नमुक्कारसहिय मुट्ठिसहिय पच्चक्खाण । ,,
२-पोरिसी-साढपोरिसी-पच्चक्खाण । ... १७८

३–पुरिमड्ढ-अवड्ढ-पच्चक्खाण । ... १७९
४–एगासण बियासण तथा एकलठाने का पच्चक्खाण ,,
[विकृति का अर्थ और उस के भेद ।] ... १८०
५–आयंबिल-पच्चक्खाण । ... १८३
६–तिविहाहार-उपवास-पच्चक्खाण । ... १८४
७–चउव्विहाहार-उपवास-पच्चक्खाण । ... १८५
गत के पच्चक्खाण । ... १८६
१–पाणहार-पच्चक्खाण । ... ,,
२–चउव्विहाहार-पच्चक्खाण । ... ,,
३–तिविहाहार-पच्चक्खाण । ... ,,
४–दुविहाहार-पच्चक्खाण । १८७
५–देसावगासिय-पच्चक्खाण । ... ,,
५२. संथारा पोरिसी । १८८
[द्रव्यादि चार चिन्तन ।] १८९
५३. स्नातस्या की स्तुति । १९४
विधियाँ । १९७
सामायिक लेने की विधि । ... ,,
[लोगस्स के काउस्सग्ग का काल-मान] ... १९९
[पडिलेहण के पचास बोल ।] ... ... ,,
सामायिक पारने की विधि । ... २०१
दैवसिक–प्रतिक्रमण की विधि । ... २०२
[चैत्य-वन्दन के बारह आधिकारों का विवरण ।] ,,
रात्रिक-प्रतिक्रमण की विधि । ... २०८
पौषध लेने की विधि । ... २१०
देव-वन्दन की विधि । ... २११

पऊण-पोरिसी की विधि । ... २१२
पच्चक्खाण पारने की विधि । ... २१४
पौषध पारने की विधि । ... २१८
संथारा पोरिसी पढ़ाने की विधि । ... ,,
सिर्फ रात्रि के चार पहर का पोसह लेने की विधि २२०
आठ पहर के तथा रात्रि के पौषध पारने की विधि २२१
चैत्य-वन्दन-स्तवनादि । २२२
चैत्य-वन्दन । ... ... ,,
श्रीसीमन्धरस्वामी का चैत्य-वन्दन । ... ,,
(१) ... ,,
(२) ... २२३
श्रीसीमन्धरस्वामी का स्तवन । ...
(१) ... २२४
(२) ... ,,
श्रीसीमन्धरस्वामी की स्तुति । ... २२५
[स्तुति और स्तवन का अन्तर ।] ... ,,
श्रीसिद्धाचलजी का चैत्य-वन्दन । ...
(१) ... २२६
(२) ... ,,
श्रीसिद्धाचलजी का स्तवन । ...
(१) ... ,,
(२) ... २२७
(३) ... ,,
श्रीसिद्धाचलजी की स्तुति । १-२ ... २२८

परिशिष्ट ।

स्तव आदि विशेष पाठ ।

सकल-तीर्थ-नमस्कार ।	...	...	
परसमयतिमिरतरणि ।	...	...	३
श्रीपार्श्वनाथ की स्तुति ।	...	...	५
श्रीआदिनाथ का चैत्य-वन्दन ।	...	...	६
श्रीसीमन्धर स्वामी का चैत्य-वन्दन ।		...	,,
श्रीसिद्धाचल का चैत्य-वन्दन ।	...	...	,,
सामायिक तथा पौषध पारने की गाथा ।		...	,,
जय महायस ।	...	...	८
श्रीमहावीर जिन की स्तुति ।	...	...	९
श्रुतदेवता की स्तुति ।	...	...	१०
क्षेत्रदेवता की स्तुति ।	...	...	,,
भुवनदेवता की स्तुति ।	...	...	,,
सिरिथंभणयट्ठिय पाससामिणो ।		...	११
श्रीथंभण पार्श्वनाथ का चैत्य-वन्दन ।		...	,,
श्रीपार्श्वनाथ का चैत्य-वन्दन ।	...	...	१२

विधियाँ ।

प्रभातकालीन सामायिक की विधि ।		...	१४
रात्रि-प्रतिक्रमण की विधि ।	...	...	१५
सामायिक पारने की विधि ।	...	...	२०
संध्याकालीन सामायिक की विधि ।		...	,,
दैवसिक-प्रतिक्रमण की विधि ।	...	...	२२